**SUB. : Hindi**
**STD. : 10 (English)**
**TIME: 3 hrs**
**DATE: 23-Sep-2021**

**www.scholarsclasses.com/blog** **Marks: 80**

**विभाग १ - गदय : 20 अंक**

**Q.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-**

**1** **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए

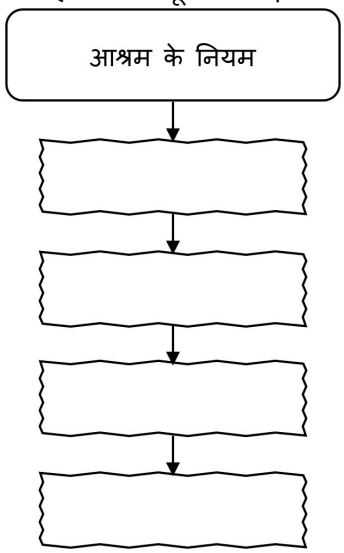


**Ans.**

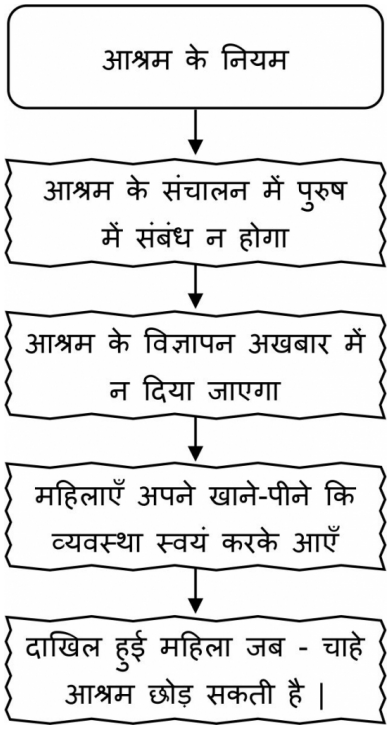


प्रिय सरोज,

जिस आश्रम की कल्पना की है उसके बारे में कुछ ज्यादा लिखूँ तो बहन को सोचने में मदद होगी, आश्रम यानी होम (घर) उसकी व्यवस्था में या संचालन में किसी पुरुष का संबंध न हो | उस आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए | उसके लिए पैसे तो सहज मिलेंगे, लेकिन कहीं माँगने नहीं जाना है | जो महिला आएगी वह अपने खाने – पीने की तथा कपड़ेलत्ते की व्यवस्था करके ही आए | वह यदि गरीब है तो उसकी सिफारिश करने वाले लोगों को खर्च की पक्की व्यवस्था करनी चाहिए | पूरी पहचान और परिचय के बिना किसी को दाखिल नहीं करना चाहिए | दाखिल हुई कोई भी महिला जब चाहे तब आश्रम छोड़ सकती है | आश्रम को ठीक न लगे तो एक या तीन महीने का नोटिस देकर किसी को

आश्रम से हटा सकता है लेकिन ऐसा कदम सोचकर लेना होगा |

आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा | सभी धर्म आश्रम को मान्य होंगे, अत: सामान्य सदाचार, भक्ति तथा सेवा का ही वातावरण रहेगा | आश्रम में स्वावलंबन हो सके उतना ही रखना चाहिए | सादगी का आग्रह होना चाहिए | आरंभ में पढ़ाई या उद्योग की व्यवस्था भले न हो सके लेकिन आगे चलकर उपयोगी उद्योग सिखाए जाएँ | पढ़ाई भी आसान हो | आश्रम शिक्षासंस्था नहीं होगी लेकिन कलह और कुढ़न से मुक्त स्वतंत्र वातावरण जहाँ हो ऐसा मानवतापूर्ण आश्रयस्थान होगा, जहाँ परेशान महिलाएँ बेखटके अपने खर्च से रह सकें और अपने जीवन का सदुपयोग पवित्र सेवा में कर सकें | ऐसा आसान आदर्श रखा हो और व्यवस्था पर समिति का झंझट न हो तो बहन सुंदर तरीके से चला सके ऐसो एक बड़ा काम होगा | उनके ऊपर ऐसा बोझ नहीं आएगा जिससे कि परेशानी हो |

**A2)** i) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

1) 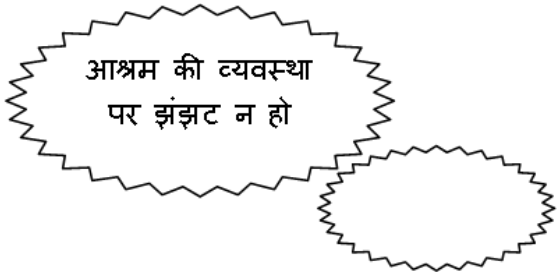


**Ans.** 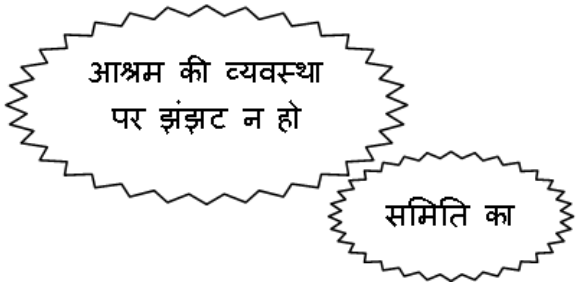


2) 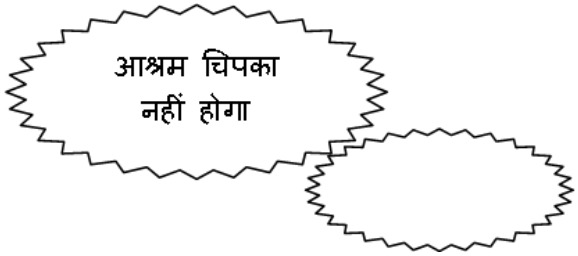


**Ans.** 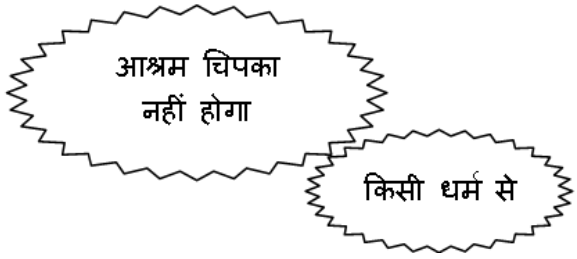


ii) उत्तर लिखिए :- 1

आश्रम का वातावरण इससे मुक्त होगा।

**Ans.** आश्रम का वातावरण इससे मुक्त होगा। - **कलह और कुढ़न**

**A3)** i) अनुच्छेद में प्रयुक्त विशेषण शब्द लिखिए 1

व्यवस्था - .....

**Ans.** व्यवस्था - **व्यवस्थित**

ii) समानार्थी शब्द अनुच्छेद से ढूँढकर लिखिए। 1

समाचार पत्र - [ ]

**Ans.** समाचार पत्र - **अकबार**

**A4)** स्वमत :- 2

'आश्रम के व्यवस्था और वातावरण पर कालेलकर जी के विचारों' पर आठ - दस वाक्य लिखिए |

**Ans.** 'आश्रम के व्यवस्था और वातावरण पर कालेकार जी के विचारो पर आठ - दस वाक्य लिखिए |

कालेकर जी का मानना था कि दुखी महिलाओं के लिए महिला आश्रम का निर्माण कर उन्हे आश्रम दिया जाए | आश्रम की व्यवस्था आश्रम में रहने वाली महिलाएँ ही सभालेगी |आश्रम मे हर धर्म की महिला शरण ले सकेगी | आश्रम का वातावरण सदाचार, भक्ति और सेवा भाव का होगा | महिलाओं को स्वाबलंबी बनाया जाए | सादगी भरा जीवन व्यतीत करने की शिक्षा दी जाए | महिलाओं को उपयोगी उद्योग सिखाएँ जाएँ जिससे वे अपने खर्च निकाल सकें |

**(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

**1** **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1)

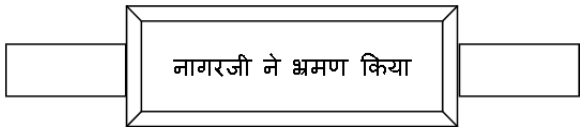


**Ans.**

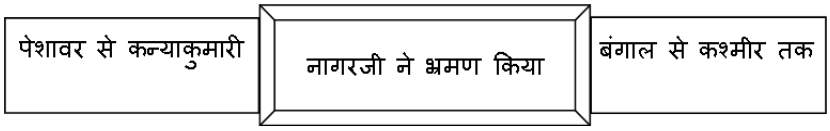


2)

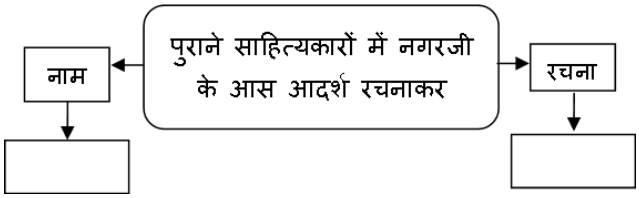


**Ans.**

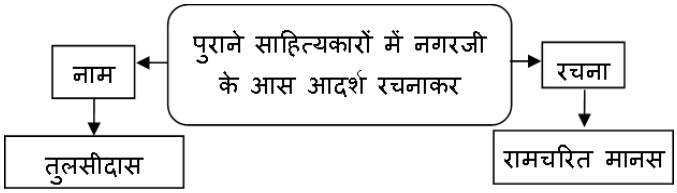


| | |
|---|---|
| तिवारी जीः | नागर जी, आप अपने समय के और कौन-कौन से लेखकों के संपर्क-प्रभाव में रहे ? |
| नागर जीः | जगन्नाथदास रत्नाकर, गोपाल राय गहमरी, प्रेमचंद, किशोरी लाल गोस्वामी, लक्ष्मीधर वाजपेयी आदि के नाम याद आते हैं | माधव शुक्ल हमारे यहाँ आते थे | वे आजानुबाहु थे, ढीला कुरता पहनते थे और कुरते की जेब में जलियाँवाला बाग की खून सनी मिट्टी हमेशा रखे रहते थे | १९३१ से ३७ तक मैं प्रतिवर्ष कोलकाता जाकर शरतचंद्र से मिलाता रहा, उनके गाँव भी गया | |
| तिवारी जीः | पुराने साहित्यकारों में आप किसको अपना आदर्श मानते हैं ? |
| नागर जीः | तुलसीदास को तो मुझे घुट्टी में पिलाया गया है | बाबा, शाम को नित्य प्रति 'रामचरितमानस' मुझसे पढ़वाकर सुनते थे | श्लोक जबरदस्ती याद करवाते थे | |
| तिवारी जीः | नागर जी, आपने 'खंजन नयन' में सूरदास के चमत्कारों का बहुत विस्तार से वर्णन किया है | क्या इनपर आपका विश्वास है ? |
| नागर जीः | नेत्रहीनों के चमत्कार हमने बहुत देखे हैं | उनकी भविष्यवाणियाँ कभी-कभी बहुत सच होती हैं | सूरपंचशती के अवसर पर काफी विवाद चला था कि सूर जन्मांध थे या नहीं | सवाल यह है कि देखता कौन है ? आँख या मन ? आँख माध्यम है, देखने वाला मन है | |
| तिवारी जीः | आपने क्या कभी अपने लिखने की सार्थकता की परख की है ? |
| नागर जीः | हाँ, मेरे पास बहुत से पत्र आते हैं | मेरे उपन्यासों के बारे में, खास तौर से जिनसे पाठकीय प्रतिक्रियाओं का पता चलता है | |
| तिवारी जीः | नागर जी, आपने भ्रमण तो काफी किया है ... |
| नागर जीः | हाँ, पूरे अखंड भारतवर्ष का | पेशावर से कन्याकुमारी तक | बंगाल से कश्मीर तक | इन यात्राओं का यह लाभ हुआ कि मैंने कैरेक्टर (चरित्र) बहुत देखे और उनके मनोविज्ञान को भी समझने का मौका मिला | |

**A2)** एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए। 2

1) नागर जी के प्रिय आलोचक - .....

**Ans.** नागर जी के प्रिय आलोचक - **पाठकीय पतिक्रिया देनेवाले पत्रलेखक**

2) आजानबहु थे - .....

**Ans.** आजानबहु थे - माधव शुक्ल

**A3)** i) उचित विराम चिह् न लागाइए 1

नागर जी अपने भ्रमण तो काफी किया है

**Ans.** नागरजी, अपने भ्रमण तो काफी किया है

ii) उत्तर लिखिए :- 1

परिछेद में से कोई दो विशेषण शब्द चुनकर लिखिए:

**Ans.** i. ढीला ii. अखंड

**A4)** स्वमत :- 2

'भ्रमण से होने वाले लाभ' इस विषय पर विचार लिखिए|

**Ans.** किसी शायर ने लिखा है 'सैर कर गाफिल ज़िंदगानी फिर कहाँ, ज़िंदगानी गर रही तो नोजवानी फिर कहाँ?' अर्थात सैर (भ्रमण) करना सभी को पसंद होता है| सैर करने के लिए लोग अलग-अलग जगहों पर जाते हैं जेससे वहाँ के लोगों का रहन-सहन, रीतिरिवाज, पहनावा, संस्कृति आदि का ज्ञान होता है| भोगोलिक वातावरण का पता चलता है| मनुष्य जितना भ्रमंत करता है, उसका ज्ञान उतना ही बढ़ता जाता है| साथ ही भ्रमण से शरीर भी स्वस्थ रहता है|
इस लिए मनुष्य को भ्रमण करना चाहिए|

**(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

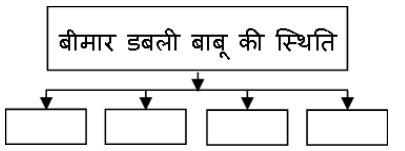


**Ans.**

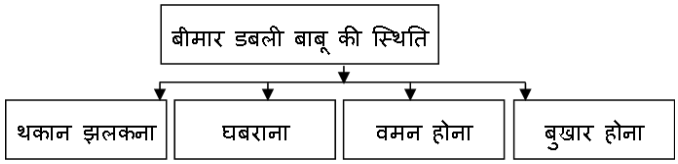


दस दिन बाद डबली बाबू सवेरे ही आए। चेहरे से बहुत अधिक थकान झलक रही थी। बगीचे के पास बेंच पर बैठते ही घबराए से दिखाई दिए। उनके रोकने पर भी वमन हो ही गया। हम सब उनके निकट दौड़े गए। सिर पर पानी डाला। मुहँ धोने के बाद उन्होंने कहा, "पित्त का जोर है, और कुछ नहीं, थोडा बुखार भी है और कुछ नहीं।" थर्मामीटर लगाकर देखा तो पारा 102 डिग्री ऊपर जा रहा था। पर उनसे कहा, "थोड़ी हरारत जरूर है, अब आप घर चले जाइए, आराम कीजिए।" डबली बाबू रिक्शें में चले गए।

**A2)** स्वमत :- 2

'अच्छा स्वास्थ्य मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति है' इस पर अपने विचार लिखिए।

**Ans.** स्वस्थ शरीर मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति होती है क्योंकि स्वस्थ रहने पर मनुष्य अपने समस्त कार्यों को अच्छी तरह से कर सकता है । जब मनुष्य अपनी जिम्मेदरियों और कार्यों को अच्छी तरह करता है तो वह सफलता (उन्नति) के रास्ते पर बढ़ता जाता है प्रत्येक मुश्किलों का सामना आसानी से कर सकता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए लोग व्यायाम करते हैं आजे की भाग - दौंड़ की जिंदगी में लोग अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख पाते जो बहुत हानिकारक है। इसलिए अच्छा स्वास्थ्य मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति है।

**विभाग २ - पदय : 12 अंक**

**Q.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः- (6)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1)
i. स्वार्णिम शिखर से भी सुंदर - [ ]
ii.गर्द बनकर उड़ें तो - [ ]

**Ans.**
i. स्वार्णिम शिखर से भी सुंदर - **नींव।**
ii.गर्द बनकर उड़ें तो - **आसमान पर लिखना चाहिए।**

2)
i. अँधेरे में इसका भी सहारा रहता है - ☐
ii.गहरे अंधकार मे यह बनना चाहिए - ☐

**Ans.**
i. अँधेरे में इसका भी सहारा रहता है - **जुगनू का।**
ii.गहरे अंधकार मे यह बनना चाहिए - **रोशनी।**

आपसे किसने कहा स्वर्णिम शिखर बनकर दिखो,
शौक दिखने का है तो फिर नींव के अंदर दिखो ।

चल पड़ी तो गर्द बनकर आस्मानों पर लिखो,
और अगर बैठो कहीं तो मील का पत्थर दिखो ।

सिर्फ देखने के लिए दिखना कोई दिखना नहीं,
आदमी हो तुम अगर तो आदमी बनकर दिखो ।

जिंदगी की शक्ल जिसमें टूटकर बिखरे नहीं,
पत्थरों के शहर में वो आईना बनकर दिखो ।

आपको महसूस होगी तब हरइक दिल की जलन,
जब किसी धागे-सा जलकर मोम के भीतर दिखो ।

एक जुगनू ने कहा मैं भी तुम्हारे साथ हूँ,
वक्त की इस धुंध में तुम रोशनी बनकर दिखो ।

एक मर्यादा बनी है हम सभी के वास्ते,
गर तुम्हें बनना है मोती सीप के अंदर दिखो ।

डर जाए फूल बनने से कोई नाजुक कली,
तुम ना खिलते फूल पर तितली के टूटे पर दिखो ।

कोई ऐसी शक्ल तो मुझको दिखो इस भीड़ में,
मैं जिसे देखूँ उसी में तुम मुझे अक्सर दिखो ।

**A2)** निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए :- 2

1)
i. तितली।
ii.भीड़।

**Ans.**
i. न खिलने वाले फूल किसके टूटे पांख दिखें ?
ii.मुझे तुम कहाँ दिखाई दे सकते हो ?

2)
i. आसमान।
ii.जुगनू।

**Ans.**
i. गर्द बनकर कहाँ लिखने के लिए कहा गया है ?
ii.'मैं भी तुम्हारे साथ हूँ ऐसा किसने कहा ?

**A3)** स्वमत :- 2

नींव की ईट से आपका क्या तात्पर्य है ?

**Ans.** नींव की ईंट से तात्पर्य इमारतों का आधार | इमारतें तो बहुत रंग - बिरंगी होती है मगर नींव की ईंट और पत्थर कभी रंगे नहीं जाते मगर उनके ज्यादा महत्त्वपूर्ण होने कारण है कि वे पूरी इमारत को अपने ऊपर लिए रहते हैं | ठीक उसी तरह कुछ व्यक्ति होते हैं कि कार्य की सारी जिम्मेदारी लेते हैं और कार्य पूर्ण भी करते हैं मगर उसका श्रेय

दूसरे लोग ले जाते हैं | जो सच्चे दिल से कार्य पूर्ण होने के बारे में सोचते हैं वे कभी रंग - बिरंगे बनकर चमकने की आवश्यकता नहीं समझते |

**(आ) निम्नलिखित पठित पदयांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-** **(6)**

**1** **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

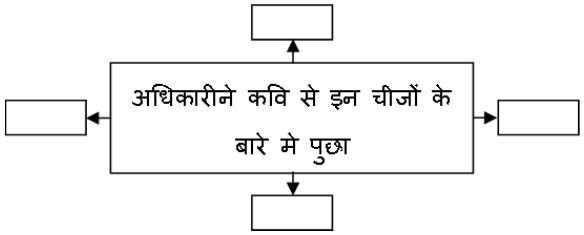


**Ans.**

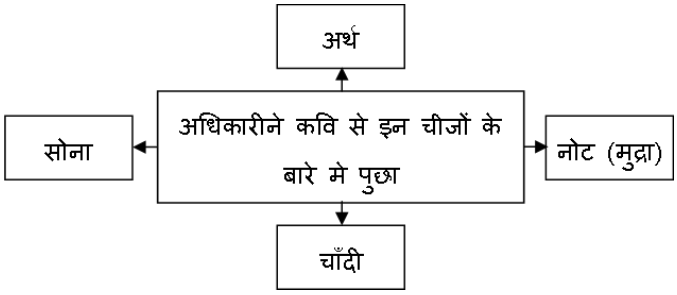


मेरे घर छापा पड़ा, छोटा नहीं बहुत बड़ा
वे आए, घर में घुसे, और बोले-सोना कहाँ है ?
मैंने कहा-मेरी आँखों में है, कई रात से नहीं सोया हूँ
वे रोष में आकर बोले-स्वर्ण दो स्वर्ण!
मैंने जोश में आकर कहा-सुवर्ण मैंने अपने काव्य में बिखेरे हैं
उन्हें कैसे दे दूँ ।
वे झुँझलाकर बोले, तुम समझे नहीं
हमें तुम्हारा अनधिकृत रूप से अर्जित अर्थ चाहिए
मैं मुसकाकर बोला, अर्थ मेरी नई कविताओं में है
तुम्हें मिल जाए तो ढूँढ़ लो
वे कड़ककर बोले, चाँदी कहाँ है ?
मैं भड़ककर बोला-मेरे बालों में आ रही है धीरे-धीरे
वे उद्‌भ्रांत होकर बोले,
यह बताओ तुम्हारे नोट कहाँ हैं ?
परीक्षा से एक महीने पहले करूँगा तैयार
वे गरजकर बोले हमारा मतलब आपकी मुद्रा से है
मैं लरजकर बोला,
मुद्राएँ आप मेरे मुख पर देख लीजिए

**A2)** i) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

चाँदी शब्द के दो अर्थ है - i. , ii.

**Ans.** i. रजत (एकधातु) ii. सफेदी

ii) उत्तर लिखिए :- 1

पद्यांश में आई दो धातुओं के नाम है।

i) ..... ii) .....

**Ans.** i) स्वर्ण ii) चाँदी

**A3)** भावार्थ लिखिए :- 2

मेरे घर छापा पड़ा, छोटा नहीं बहुत बड़ा
वे आए, घर में घुसे, और बोले-सोना कहाँ है ?
मैंने कहा-मेरी आँखों में है, कई रात से नहीं सोया हूँ
वे रोष में आकर बोले-स्वर्ण दो स्वर्ण!
मैंने जोश में आकर कहा-सुवर्ण मैंने अपने काव्य में बिखेरे हैं
उन्हें कैसे दे दूँ

**Ans.** कवि कहते है कि एक बार उनके घर पर बहुत बड़ा छापा पड़ा । अधिकारियों ने घर में घुसकर पूछा कि सोना कहाँ है परंतु कवि ने कहा कि सोना उनकी ऑखों में है, क्योंकि वे कई रातों से सोए नहीं है। अधिकारी ने गुस्से में कहा कि उन्हें सोना चाहिए तब कवि ने जोश में कहा कि सोना तो उन्होंने अपनी कविताओं में बिखेरा है जिसे वह नहीं दे सकते।

**विभाग ३ - पूरक पठन : ४ अंक**

**Q.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-** **(4)**

**1** **A1)** i) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

1) भुट्टे का मूल्य था - .....

**Ans.** भुट्टे का मूल्य था - **पाँच रूपया**

2) लेखक शाम के समय टहल रहे थे - .....

**Ans.** लेखक शाम के समय टहल रहे थे - **झील किनारे**

ii) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

पर्वतीय स्थल की विशेषता

**Ans.** i. हरे-भरे पहाड़ ii. ऊँचे वृक्ष

इस वर्ष बड़ी भीषण गरमी पड़ रही थी | दिन तो अंगारे से तपे रहते ही थे, रातों में भी लू और उमस से चैन नहीं मिलता था | सोचा इस लिजलिजे और घुटनभरे मौसम से राहत पाने के लिए कुछ दिन पहाड़ों पर बिता आएँ |

अगले सप्ताह ही पर्वतीय स्थल की यात्रा पर निकल पड़े | दो – तीन दिनों में ही मन में सुकून – सा महसूस होने लगा था | वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, हरे – भरे पहाड़ गर्व से सीना ताने खड़े, दीर्घता सिद्ध करते वृक्ष, पहाड़ों की नीरवता में हल्का – सा शोर कर अपना अस्तित्व सिद्ध करते झरने, मन बदलाव के लिए पर्याप्त थे|

उस दिन शाम के वक्त झील किनारे टहल रहे थे | एक भुट्टेवाला आया और बोला – "साब, भुट्टा लेंगे | गरम – गरम भूनकर मसाला लगाकर दूँगा | सहज ही पूछ लिया – "कितने का है?"

"पाँच रूपये का |"

"क्या ? पाँच रूपये में एक भुट्टा | हमारे शहर में तो दो रूपये में एक मिलता है, तुम तीन ले लो |"

"नहीं साब, "पाँच से कम में तो नहीं मिलेगा ..."

"तो रहने दो ..." हम आगे बढ़ गए |

एकाएक पैर ठिठक गए और मन में विचार उठा कि हमारे जैसे लोग पहाड़ों पर घूमने का शौक रखते हैं हजारों रुपये खर्च करते हैं, अच्छे होटलों में रुकते हैं जो बड़ी दूकानों में बिना दाम पूछे खर्च करते हैं पर गरीब से दो रूपये के लिए झिक – झिक करते हैं, कितने कंगाल हैं हम | उल्टे कदम लौटा और बीस रूपये में चार भुट्टे खरीदकर चल पड़ा अपनी राह | मन अब सुकून अनुभव कर रह था |

**A2)** स्वमत :- 2

"क्या फेरीवालो से मोल-भाव करना उचित है?" इस पर अपने विचार प्रकट कीजिय |

**Ans.** फेरीवालो से मोल भाव करना मेरी नजर में उचित नहीं है | फेरीवाले गरीब होते है | प्रतिदिन कमाकर अपनी जिंदगी व्यतीत करते है | कभी - कभी तो बिक्री न होने पर इनके परिवार का भूखा रहना पड़ता है | इनके आर्थिक हालत अच्छे नहीं होते है | जिंदगी की जरुरतों को पूरा करने के लिए जी-तोड़ मेहनत करते है | इसलिए फेरीवालो से मोल भाव करना अनुचित है |

**(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-** **(4)**

**1** **A1)** वाक्य पूर्ण कीजिए :- 2

1) आँखे बरसी .....।

**Ans.** आँखे बरसी **मन की पीड़ा बादल बनकर छाने पर**।

2) जिजीविषा है .....

**Ans.** जिजीविषा है **मृत्यु को जीकर जीवन विष पीने की |**

भीतरी कुंठा
आँखों के द्वार से
आई बाहर ।

खारे जल से
धुल गए विषाद

मन पावन ।

मृत्यु को जीना
जीवन विष पीना
है जिजीविषा ।

मन की पीड़ा
छाई बन बादल
बरसी आँखें ।

**A2)** स्वमत :- 2

उपर्युक्त पंक्तियों में छिपे केंद्रीय भाव को स्पष्ट कीजिए ।

**Ans.** कवि कहते है जीवन अत्यंत कठिन है लेकिन काँटों के बीच खिलता फूल मन को प्रेरणा देता है जिससे मन का दुख आँसुओ के माध्यम से निकलकर मन को शांत करता है और फिर जीवन जीने के लालसा जाग उठती है |

**विभाग ४ - भाषा अध्यन (व्याकरण) : 14 अंक**

**Q.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

**(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :-** **(1)**

व्यंग्य बुरी चीज है।

**Ans.** बुरी - विशेषण ।

**(2) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :-** **(1)**

**(i)** बल्कि -

**Ans.** बच्चों को चाय नहीं बल्कि दूध पीना चाहिए।

**(ii)** काश -

**Ans.** काश ! हम भी मर जाते |

**(3) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :-** **(1)**

| संधि शब्द | संधि विच्छेद | संधि भेद |
|---|---|---|
| i) ..... | देव + इन्द्र | ..... |
| ii) ..... | राम + अवतार | ..... |

**Ans.**

| संधि शब्द | संधि विच्छेद | संधि भेद |
|---|---|---|
| i) देवेन्द्र | देव + इन्द्र | स्वर संधि |
| ii) रामावतार | राम + अवतार | स्वर संधि |

**(4) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए ( कोई एक) :-** **(1)**

**(i)** रमेश आज नहीं खेल सका |

**Ans.** सका – सकना

**(ii)** तुम रोज सुबह स्कूल जाया करो।

**Ans.** करो - करना

**(5) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए (कोई एक) :-** **(1)**

| क्रिया | प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया | द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया |
|---|---|---|
| i) सोना | सुलाना | ..... |
| ii) जागना | ..... | जगवाना |

**Ans.**

| क्रिया | प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया | द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया |
|---|---|---|
| i) सोना | सुलाना | **सुलवाना** |
| ii) जागना | **जगाना** | जगवाना |

**(6) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :-** **(1)**

आज मनुष्य की मनुष्यता गायब हो गई है।
(लुप्त होना, ठंडा पड़ जाना)

**Ans.** आज मनुष्य की मनुष्यता लुप्त हो गई है।

**अथवा**

**निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए**

**1)** हृदय का बोल उठना -

**Ans.** अर्थ - उद्गार व्यक्त करना।
वाक्य - कश्मीर की प्राकृतिक छबि देखकर पर्यटकों का हृदय बोल उठा।

**2)** चाँदनी में नहाना -

**Ans.** चाँदनी में नहाना – चंद्रप्रकाश पड़ना।
वाक्य - समुद्र का जल रात में चाँदनी में नहा रहा था|

**(7) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :-** **(1)**

**1)** फिल्मी गाने प्यार से सुनते थे।

**Ans.** प्यार से - करण कारक

**2)** भैया मेरे लिए घड़ी लाए|

**Ans.** मेरे लिए – संप्रदान कारक

**(8) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :-** **(1)**

**1)** जुहू की तैयारी कर लो हम दो दिन पूर्ण विश्राम करेंगे

**Ans.** "जुहू की तैयारी कर लो, हम दो दिन पूर्ण विश्राम करेंगे।

**2)** उससे उन्होंने पूछा तुम लॉग बुक रखते हो न

**Ans.** उससे उन्होंने पूछा - "तुम लॉग बुक रखते हो न?"

**(9) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए ( कोई दो) :-** **(2)**

**(i)** मेरी एक टाँग टूट गई । (सामान्य वर्तमान काल)

**Ans.** मेरी एक टाँग टूट जाती है।

**(ii)** उन्होने पुस्तक लोटा दी|(सामान्य वर्तमानकाल)

**Ans.** वह पुस्तक लौटा देता है|

**(iii)** वह हिमालय को खोज रहा है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

**Ans.** उसने हिमालय को खोजा है।

**(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :-** **(1)**

सूरज निकला और प्रकाश फैल गया ।

**Ans.** संयुक्त वाक्य

**(ii) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :-** **(1)**

जहाँ चाह होती है, वहाँ राह निकलती है। (सरल वाक्य)

**Ans.** चाह होने पर राह निकलती है।

**(11) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :-** **(2)**

**(i)** पाँच मिनट का पिटारी खाली हो गया।

**Ans.** पाँच मिनट में पिटारी खाली हो गई।

**(ii)** हम लोक वापस आते है अभी ।

**Ans.** हम लोग वापस आते हैं अभी ।

**विभाग ५ - उपयोजित लेखन : 26 अंक**

**Q.5 (अ) (1) पत्र लेखन -** **(5)**

**निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए : -**

| |
|---|
| व्यवस्थापक, आदर्श पुस्तक भंडार औरंगाबाद / भेजी गई पुस्तकों की कम प्रतियाँ प्राप्त होने की शिकायत / नीलेश / नलिनी अग्रवाल, ओसवालनगरी मिरारोड पालघर \| |

**Ans.**

पुस्तके प्राप्त लेकिन कम प्रतियाँ प्राप्त हुई विवरण निम्नलिखित है |

| | पुस्तकों के नाम | मंगाई राई प्रतियाँ | प्राप्त प्रतियाँ |
|---|---|---|---|
| 1) | गोदान | 3 | 3 |
| 2) | **राशि** | 2 | 1 |
| 3) | रामचरितमानस | 5 | 3 |
| 4) | सपने बिखर गए | 3 | 2 |

कृपया सभी ____ प्राप्त प्रतियों को प्रेषित करे |

**OR**

अनय/अनया पाटील, 'गीतांजली', गुलमोहर रोड, अहमदनगर से अपनी छोटी बहन अमिता पाटील, 3, 'श्रीकृपा', शिवाजी रोड, नेवासा को राज्यस्तरीय कबड्डी संघ में चयन होने के उपलक्ष्य में अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखता है/लिखती है।

**Ans.** तुम्हारा राज्य स्तरीय कबड्डी संघ के चयन ----- इस उपलक्ष्य में कोटी-कोटी अभिनंद ----- लगातार प्रयत्न करते रहना ----- हम लोगों को अपार खुशी |

**(2) गदय आकलन -** **(4)**

**निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-**

| |
|---|
| भारत में प्राचीन काल से दहेज प्रथा चली आ रही है। कन्या के माता-पिता अपनी क्षमता के अनुसार शादी के समय दहेज देते चले आये हैं.वर एवं कन्या के परिवार वालों में आपसी प्रेम था। इसलिए वर वाले कन्या वालों से किसी प्रकार की माँग करने में संकोच करते थे। परन्तु पिछले 50 वर्षों से विवाह एक व्यापार बन गया है। इससे समाज दुखी है। लड़की वाला लड़के की योग्यता के स्थान पर धन को ही सर्वस्व मानता है और वह बड़े अमीर परिवार में अपनी लड़की को देना चाहता है। लड़का लड़कियो को देखता है और जिस लड़की के पास धन अधिक होता है, उसे चुन लेता है। उसकी योग्यता को नहीं देखता। आज लड़की के विवाह का मूल आधार धन बन गया है। जिस दिन लड़की का जन्म होता है, उसी दिन से माता-पिता को उसके विवाह की चिंता लग जाती है। इस बुराई को दूर करने के लिए हमें मिलकर इस प्रथा का विरोध करना चाहिए। जो दहेज लेता है, उसके लिए ऐसा कानून बनना चाहिए की दहेज लेने वाले को चोरी, जुआ एवं हत्या आदि अपराध करने वालों के समान देखा जाए और सामाजिक मंच पर उसे बेइज्जत किया जाये। इस विषय पर मात्र बोलने एवं लिखने से अब काम नहीं चलेगा। हमें एक होकर इस प्रकार के विरोध में कदम बढ़ाने होंगे। |

**Ans.** 1. भारत में दहेज प्रथा कब से चली आ रही है ?
2. वर वाले कन्या वालों से किसी प्रकार की माँग करने मे संकोच क्यों करते थे ?
3. लड़का किस लड़की को चुन लेता है |
4. आज लड़की के विवाह का मूल आधार क्या बन गया है ?

**(आ) (1) वृत्तांत लेखन -** **(5)**

वृक्षारोपन समारोह पर लगभग अस्सी शब्दों का वृत्तांत लिखिए|

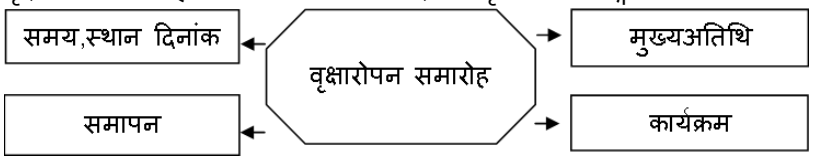


**Ans.** .

**अथवा**

**कहानी लेखन -** **(5)**

**निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखए, और उचित शीर्षक दीजिए :-**

बूढ़ा किसान - चार बेटे - चारों आलसी - किसान हमेशा दुखी, चिंतित - बेटों से कहना - “खेत में धन”- किसान की मृत्यु - बेटे द्वारा खेत की खुदाई - खेत में अच्छी फसल - पिता जी की बात का अर्थ जानना,सीख ।

**Ans.** .

**(2) विज्ञापन लेखन -** **(5)**

अंतरजाल से 'नशा मुक्ति' योजना संबंधी जानकारी प्राप्त करके उसे बढ़ाना देने हेतु विज्ञापन तैयार कीजिए।

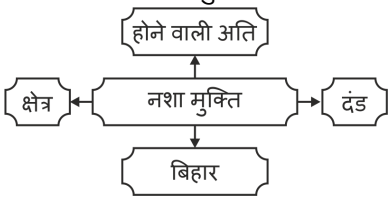


**Ans.** .

**(इ) निबंध लेखन -** **(7)**

**निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-**

**(1)** पेड़ की आत्मकथा

**Ans.** .

**(2)** किसान की आत्मकथा

**Ans.** .

**(3)** यदि हिमालय न होता ...

**Ans.** .